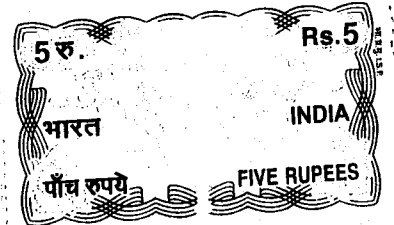
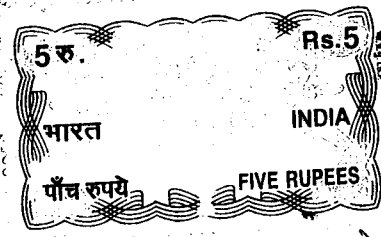


न्यायालय श्रीमान् सदस्य महोदय राजस्व मण्डल ग्वालियर सर्किट कोर्ट रीवा (म0प्र0)

M-5146-II/17



बुद्धिमान सिंह वगैरह (अपना नाम) निहाय नाम कम्पलेली 17/20 — आवेदक
चित्तूरगी जिला सिमरौली मण्डल
बनाम

हरिपति सिंह (अपना नाम) निहाय नाम कम्पलेली — अनावेदक
चित्तूरगी जिला सिमरौली मण्डल

अधिका. श्री. ए. एन. सिंह 17/20
द्वारा प्रस्तुत 04-4-17

आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 35(3) म0प्र0
भू-राजस्व संहिता सन् 1959 ई0
प्र. क्र. निगम 391/3/13
अवेदक दिनांक 17-2-16

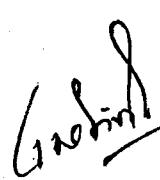
मुख्यवर,
सर्किट आफ
राजस्व मण्डल म0प्र0

निम्न आधार पर पुर्नस्थापन आवेदन प्रस्तुत है:-

- 1- यह कि माननीय बोर्ड के समक्ष आवेदक द्वारा अपर आयुक्त महोदय के न्यायालय के आदेश के विरुद्ध निगरानी प्रस्तुत की गई थी ।
- 2- यह कि प्रकरण की पैरवी हेतु आवेदक द्वारा अधिवक्ता नियुक्ति किया गया था। प्रकरण कायमी के तर्क हेतु दिनांक 17/02/16 नियत किया गया था ।
- 3- आवेदक अधिवक्ता उक्त नियत दिनांक 17/02/16 को घर में मांगलिक कार्यक्रम(पुत्र के वारिच्छा) आयोजित होने के कारण हाजा न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो सके और न ही पक्षकार को सूचित कर सके लिहाजा माननीय न्यायालय द्वारा प्रकरण अदम पैरवी में निरस्त कर दिया गया , प्रकरण वास्ते कायमी पर आदेश हेतु नियत कर प्रकरण सर्किट कोर्ट से राजस्व मण्डल ग्वालियर ले जाया गया जिसमें दिनांक 10/03/16 को आदेश पारित कर कायमी के प्रकरण में ही प्रकरण अदम पैरवी में निरस्त कर दिया गया ।
- 4- यह कि आवेदक अधिवक्ता द्वारा सर्किट कोर्ट रीवा के सम्बन्धित रीडर से प्रकरण की जानकारी लिये जाने पर कई बार यह आश्वासन दिया गया कि आगामी तारीख पेशी पर जब रीवा आयेगें तब आपको उक्त प्रकरण की जानकारी देगें, काफी प्रयास के बाद दिनांक 23/03/17 को सम्बन्धित रीडर द्वारा बताया गया कि प्रकरण अदम पैरवी में दिनांक 10/03/16 को निरस्त हो गया है। उक्त तथ्य की जानकारी होते ही आवेदक अधिवक्ता द्वारा वगैर किसी बिलम्ब के प्रमाणित प्रति प्राप्त करने हेतु दिनांक 23/03/17 को ही आवेदन

W

MS/146-II/17 - सिंगरीली
 छुड्डिमान सिंह / हरिपति सिंह

स्थान तथा दिनांक	अथवा आदेश	पक्षव आदि के हस्ताक्षर
27-4-17	<p>1- प्रकाश पेश।</p> <p>2. आवेदन अधिमासिक श्री जी. एन. सिंह द्वारा उपाधित लोक शीघ्र सुनवाई का आवेदन पेश किया जिसके तत्पश्चात् प्रकाश को किया गया।</p> <p>3. आवेदन द्वारा यह आवेदन लोहरा की चारा 35(3) के तहत ग्रह प्रकाश बुझाऊ R.4391-तीन/13 अदालत परीक्षा दिनांक 17-2-16 को प्रस्तापित वास्त पेश किया गया है। आवेदन के साथ शपथ पत्र भी पेश किया गया है। उक्त आवेदन पर सुना गया था प्रकाश का अवलोकन किया। विचारोपरत ग्रह प्रकाश बुझाऊ R.4391-तीन/13 पुनः नम्बर में लिपि जोते हुए अदालत किया जाता है। तदनुसार नम्बर में चालू किया जावे।</p> <p>4. प्रकाश पत्र से समाप्त होकर दूर है।</p>	

M

सुनवाई